हिन्दी एवं अन्य भारतीय भाषा विभाग
जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, सांबा
[प्रथम सत्र]

विषय कोड सं० PGHNDIE002T: ELECTIVE COURSE

छायावादी काव्य

समय: 3 घण्टे   अंक: 100

खण्ड – क   (10×1.5=15)

बहुविकल्पीय प्रश्न

प्रश्न 1– "जब वेदना के आधार पर स्वानुभूतिमयी अभिव्यक्ति होने लगी तब हिन्दी में उसे 'छायावाद' के नाम से अभिहित किया गया।" यह किसका मत है ?
(क) डॉ० नगेन्द्र (ख) जयशंकर प्रसाद
(ग) महादेवी वर्मा (घ) मुकुटधर पाण्डेय

प्रश्न 2– छायावाद की समय-सीमा क्या मानी गई है ?
(क) 1900–1918 ई० (ख) 1916–1932 ई०
(ग) 1918–1936 ई० (घ) 1922–1938 ई०

प्रश्न 3– जयशंकर प्रसाद की अंतिम कृति निम्न में से कौन है?
(क) लहर (ख) कामायनी (ग) झरना (घ) आंसू

प्रश्न 4– 'कामायनी' में चित्रित पात्र 'इड़ा' किसका प्रतीक है
(क) हृदय (ख) बुद्धि (ग) मन (घ) धर्म

प्रश्न 5– 'अबे सुन बे गुलाब' में 'गुलाब' किसका प्रतीक है
(क) कृषक (ख) शोषित (ग) शोषक (घ) मजदूर

(क) जयशंकर प्रसाद (ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला'

(ग) अज्ञेय (घ) सुमित्रानंदन पंत

प्रश्न 7— 'उच्छ्वास' का प्रकाशन वर्ष है।

(क) 1926 ई० (ख) 1920 ई० (ग) 1922 ई० (घ) 1928 ई०

प्रश्न 8— 'पल्लव' का प्रकाशन वर्ष निम्नलिखित में से है।

(क) 1928 ई० (ख) 1926 ई० (ग) 1930 ई० (घ) 1932 ई०

प्रश्न 9— महादेवी वर्मा को उनकी किस रचना पर ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ था?

(क) यामा (ख) सांध्यगीत (ग) नीहार (घ) नीरजा

प्रश्न 10— "अपनी सीमा को असीम तत्व में खो देना ही रहस्यवाद है।" कथन किसका है?

(क) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' (ख) महादेवी वर्मा

(ग) जयशंकर प्रसाद (घ) सुमित्रानंदन पंत

खण्ड – ख

लघु-उत्तरीय प्रश्न (5×8 = 40)

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

निम्नलिखित में से किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।

प्रश्न 1— छायावादी कवियों की नारी भावना को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2— राष्ट्रीयता की चेतना को छायावाद के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

अथवा

प्रश्न 3— जयशंकर प्रसाद के जीवन दर्शन पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4! - निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

अरी आँधियों! ओ बिजली की दिवा-रात्रि तेरा नर्तन,
इसी वासना की उपासना, वह तेरा प्रत्यावर्तन।
मणि-दीपों के अंधकारमय अरे निराशा पूर्ण भविष्य!
देव-दंभ के महामेध में सब कुछ ही बन गया हविष्य।

प्रश्न 5 - मुक्त छंद की अवधारणा से आप क्या समझते हैं? इस
अथवा
संदर्भ में निराला के मत को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 6 - निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

"अबे, सुन बे गुलाब,
भूल मत गर पाई खुशबू, रंग-ओ-आब,
खून चूसा खाद का तूने अशिष्ट,
डाल पर इतरा रहा है केपीटलिस्ट!
कितनों को तुने बनाया है गुलाम,
माली कर रक्खा, सहाया जाड़ा-घाम,
हाथ जिसके तू लगा,
पैर सर रखकर वो पीछे को भागा
औरत की जानिब मैदान यह छोड़कर,
तबेले को टट्टू जैसे तोड़कर,
शाहों, राजों, अमीरों का रहा प्यारा
तभी साधारणों से तू रहा न्यारा।

अथवा

प्रश्न 7- पंत की काव्य-यात्रा पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 8- निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

सुरपति के हम ही हैं अनुचर,
जगत्प्राण के भी सहचर,
मेघदूत की सजल कल्पना,
चातक का चिर जीवनधार,

मुग्ध शिखी के नृत्य मनोहर,
सुभग स्वाति के मुक्ताकार,
विहग वर्ग के गर्भ विधायक,
कृषक बालिका के जलधार।

अथवा

प्रश्न 9 - महादेवी वर्मा के काव्य में वेदना भाव को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 10 - निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो
रजत शंख-घड़ियाल स्वर्ण वंशी-वीणा-स्वर,
गये आरती बेला को शत-शत लय से भर,
जब था कल कंठों का मेला,
विहँसे उपल तिमिर था खेला,
अब मंदिर में इष्ट अकेला,
इसे अजिर का शून्य गलाने को गलने दो।

खण्ड - ग

दीर्घ-उत्तरीय प्रश्न

(3×15=45)

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

निम्नलिखित में से किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य है।

प्रश्न 1 - छायावादी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 2 - कामायनी के 'चिन्ता सर्ग' के आधार पर प्रसाद की सौन्दर्य चेतना पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 3 - निराला की प्रगति चेतना को स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 4 - पंत प्रकृति के सुकुमार कवि हैं, स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 5 - महादेवी वर्मा की प्रतीक योजना पर प्रकाश डालिए।